पूर्ण सरूप में पिया,आपको देखा यहां
इश्क साहेबी को जान लिया,आपकी पिया है ये क्या

1- एक साहेबी दूजा इश्क,दोनों ही बजाए हैं
अब समझ में आ गया हम क्यूं आये यहां

2-जब तलक न समझे थे हम,कुछ न कुछ कहते रहे
आपकी निजबुद्ध से जाना राज़ ये गहरा पिया

3- सुख तो लेते थे हम,इश्क का निजधाम में
साहेबी का सुख पिया का,हमने है जाना अब यहां

4- अब न चलने को कहेंगे,कहना था जो कह लिया
काम अपना पूरा करके,खुद चलेंगे मेरे पिया

5- हम अगर जल्दी करें, इससे भी होना क्या
हुकम अपने आप ही सब,काम कर रहा पिया

6- छल हमारा क्या करेगा,साथ में जब आप हो
जिसने समझा आपको,ये खेल छल का छोड़ दिया

Nijanand App